Seminar Report

INNOVATION AND INCUBATION CENTRE, UPTTI KANPUR

Innovative Ideas on Product Development in Textiles

August 6, 2016

UPTTI organized a seminar on Innovative Ideas on Product Development in Textiles on August 6, 2016. The Chief Guest of the function Shri Balram Narula Managing Directors Jet Knitwear Group of Industries expressed a strong need to make an effective collaboration between Textile Industry and Institute. He emphasized that textile industry of this state required innovations in their processes, products and planning. Any innovative idea which is proved significant to make the product more functional, cost effective and customer appealing will always be welcomes by textile industry. He coined the idea of pleasant smell or perfumed undergarments and urged to textile institute to work on that idea. Dr D B Shakyawar Director UPTTI presented a progress report of the institute and discussed about the institute future plan. He assured to the industry that the course curriculum of the institute has been revised properly as per the present and future need of the textile industry. He promised that institute is making all possible efforts to work on any innovative idea of industry and common man. The president of the function Prof C B Gupta, President Old Boys Association emphasized on need of strong bridge between industry and institute for the welfare of student and society. The Guest of Honour Dr Sudha Selvrajan, Professor and Manager SIDBI Innovation and Incubation Centre, IIT Kanpur discussed about the functioning of IIC at IIT Kanpur. She told that IIC of IIT Kanpur has worked on 64 ideas since 2002 and 32 ideas has commercialized properly. She ensured full support to IIC of UPTTI. Dr Sandeep Patil Founder Managing Director of ESpin Pvt Ltd shared his success story and discussed about the concepts of electrospinning and its applications in future textile product developments. Mr Amit Singh, Assistant Controller Patent Office New Delhi, revealed the necessity to patent innovative ideas, processes and products. He told about the process flow chart of filing patent applications to grant Indian and International patents. Mr Tarun Khetrapal, Ex President, Indian Industries Association (IIA) discussed about the role of IIA in innovation and Incubation. He promised that IIA will organize the nest meeting in IIA Hall to discuss with IIC of UPTTI to call more and more textile entrepreneurs for further discussions. Shri Yes Bharatiya of Hiltex Industries Kanpur the need of Innovation in the field of coated Fabrics. Shri Vijay Verma MD Ishita Textile Kanpur Revealed the Need of Innovation and Product Development in the field of Terry Towels. Shri Amod Bajpai MD Caplon Industries discussed about compression fabrics. Shri Sandeep Khandelwal of Ganesh Ecosphere Pvt Ltd. Rania Kanpur emphasized the need of product diversifications in recycled polyester fibre. Dr Indra Mohan Rohtagi Chairman Merchant Chambers of Uttar Pradesh discussed about the various programmed of India Govt. which may helpful to entrepreneurs to start new projects. Prof Prashant told about the various objectives of IIC set up AKTU and Govt. of UP. Mr M K Das resident of Kanpur revealed the need of Flame retardant treatment of Polyester surfaces. Shree Gopal Tulsyan, Vimal Suiting discussed about the need of functionalities in suiting and shirting fabrics. Shri AKS Gangwar of UPTTI presented an innovative idea to develop Ultravoilet protective clothing by using Dhaincha fibre. Shri Shiv Govind Prasad of UPTTI presented a concept of electromagnetic shielding cloth by using carnonnanotube and metallic nano particles. The product development and outcome of this project will serve to Indian defense sector. Prof Prashant and Mukesh Kumar Singh coordinated the seminar.

Mr Sudhanshu Morya, Innovator and alumnae of institute (2016) has presented his innovation on air conditioned mattress and demonstrated developed model. The model was appreciated by all participants and recommended for patenting before publishing elsewhere.

यूपीटीटीआई में होगा सुगंधित कपड़ों पर शोध

कानपुर, जागरण संवाददाता : उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान (यूपीटीटीआई) अब सुगंधित कपड़ों पर शोध करने की तैयारी कर रहा है। संस्थान के 'इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर' में प्रोफेसर व वरिष्ठ छात्र सुगंधित व एंटीबैक्टीरियल अंडरगारमेंट के निर्माण की दिशा में काम करेंगे।

शनिवार को यूपीटीटीआई के इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर में हुए सेमिनार में जेड निटवियर के एमडी बलराम नरूला ने संस्थान के प्रोफेसर व छात्रों के सहयोग से वस्त्र उद्योग को कुछ नया दिए जाने की अपेक्षा की। बतौर मुख्य अतिथि श्री नरूला ने कहा कि इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर की यह योजना डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय व प्रदेश सरकार दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। इस महत्वाकांक्षी योजना का शहर के वस्त्र उद्योग को पूरा लाभ उठाना चाहिए। हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि जो उद्योग शोध को साथ में लेकर नहीं चलता है वह पीछे छूट जाता है। यूपीटीटीआई के पास बेहतर फैकल्टी है। अगर उद्यमियों की जरूरत को ध्यान में रखकर उनके साथ मिलकर काम किया जाए तो आधुनिक तकनीक व शोध के जरिए वस्त्र उद्योगों को चमकाया जा सकता है। इस दौरान संस्थान के निदेशक प्रो. डीबी शाक्यवार ने कहा कि उद्यमियों को शोध के लिए यहां की प्रयोगशालाएं व उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसका लाभ मिलना शुरू हो चुका है। इस दौरान प्रो. डीबी शाक्यवार ने बलराम नरूला को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। इस मौके पर कानपुर इंडस्ट्री एसोसिएशन के पूर्व चेयरमैन तरुण खेत्रपाल, मर्चेंट चेंबर के अध्यक्ष डा. इंद्रमोहन रोहतगी, हिलटेक्स इंडस्ट्रीज के राजीव भरतिया, डा. नीलू कांबो, रिटायर्ड प्रो. सीबी गुप्ता व आईआईटी से आए डा. संदीप पाटिल व शिक्षक-छात्र मौजूद थे।

सेमिनार में जेट निटवियर के एमडी बलराम नरूला को स्मृति चिन्ह भेंट करते निदेशक प्रो.डीबी शाक्यवार। जागरण

- इंडस्ट्री की मांग को ध्यान में रखकर इनोवेशन सेंटर करेगा काम

'रिसर्च से दूर होंगी वस्त्र उद्योग की चुनौतियां'

अमर उजाला ब्यूरो

टेक्सटाइल एक्सपर्टों ने 'इनोवेशन एंड इनक्यूवेशन' पर रखे विचार

टेक्सटाइल इंडस्ट्री व टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट को साथ मिलकर काम करने की सलाह दी

कानपुर । उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (यूपीटीटीआई) में शनिवार को टेक्सटाइल के एक्सपर्टों का जमावड़ा लगा। मौका था 'इनोवेशन एंड इनक्यूवेशन' विषय पर आयोजित एक दिवसीय सेमिनार का। एक्सपर्टों ने वस्त्र उद्योग की बेहतरी के लिए रिसर्च को जरूरी ठहराया।

डॉ. सुधा सेल्वराज ने भी रखे विचार।

मुख्य अतिथि जेट नेटवियर के एमडी बलराम नरूला रहे। उन्होंने टेक्सटाइल इंडस्ट्री और टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट को साथ मिलकर काम करने की सलाह दी। बताया कि मौजूदा दौर में एंटीबैक्टिरियल और सुगंधित अंडरगार्मेंट की डिमांड है। इसे तैयार करने की कोशिश करने को कहा। संस्थान के डायरेक्टर डॉ. डीबी शाक्यवार ने संस्थान में हो रहे नए बदलाव की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। कानपुर इंडस्ट्री एसोसिएशन के पूर्व चेयरमैन तरुण खेत्रपाल ने शहर के वस्त्र उद्योगों पर प्रकाश डाला। हिलटेक्स इंडस्ट्रीज के राजीव भारतीया ने कोटेड फैब्रिक पर रिसर्च करने की बात कही। मर्चेंट चैंबर के अध्यक्ष डा. इंद्रमोहन रोहतगी, आईआईटी कानपुर की डॉ. सुधा सेल्वराज, अमित सिंह, एकेएस गंगवार, सुधांशु मौर्य, विजय वर्मा, गोपाल तुलसियान आदि मौजूद रहे।

यूपीटीटीआई व एचबीटीयू में चलेंगे रोजगारपरक कोर्स

कानपुर :प्रदेश के तकनीकी शिक्षण संस्थानों में बीटेक के साथ रोजगारपरक कोर्स संचालित किए जाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। इन कोर्स को संचालित करने के लिए डा. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय इन संस्थानों को अनुदान देगा। इस कड़ी में यूपीटीटीआई में स्किल डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना हो चुकी है, जबकि एचबीटीयू में इस सेंटर को स्थापित किया जाएगा। जिसका प्रस्ताव एक्ट में शामिल किया गया है।

स्किल डेवलपमेंट सेंटर के लिए यूपीटीटीआई को 15 करोड़ का अनुदान स्वीकृत किया गया है। इसमें से पांच करोड़ का अनुदान संस्थान को इसी वर्ष दिया जाएगा। इस अनुदान से हथकरघा, बुनाई व कपड़ों की रंगाई का प्रशिक्षण तीन हजार लोगों को दिया जाना है।

प्रशिक्षण का पहला चरण शुरू : निफ्ट रायबरेली के साथ संचालित किए जाने वाले प्रशिक्षण का पहला चरण शुरू हो चुका है। इन दिनों यूपीटीटीआई के स्किल डेवलपमेंट सेंटर में 34 युवक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। काम सिखाने के साथ इन युवाओं को प्रतिदिन 120 रुपये का मानदेय भी दिया जा रहा है। यूपीटीटीआई निदेशक प्रो. डीबी शाक्यवार ने बताया कि तीन महीने चलने वाले स्किल डेवलपमेंट के प्रशिक्षण का पहला चरण खत्म होने जा रहा है। दूसरा बैच सितंबर माह में शुरू होगा। नए बैच के लिए 25 अगस्त को साक्षात्कार लिया जाएगा। इस साक्षात्कार में आठवीं पास युवा भाग ले सकते है।

एचबीटीयू में चलेंगे रोजगारपरक कोर्स : एक सितंबर से एचबीटीआई विश्वविद्यालय बन जाने के बाद एचबीटीयू में रोजगारपरक कोर्स संचालित किए जाएंगे। इसके लिए स्किल डेवलपमेंट सेंटर स्थापित करने की रूपरेखा तैयार की गई है। इस केंद्र में छात्र तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। लेकिन यह प्रशिक्षण किस उम्र व किस शैक्षिक योग्यता के युवाओं को मिलेगा इस पर अभी विचार किया जाना बाकी है।

'प्रदेश के सभी इंजीनियरिंग कालेजों में रोजगारपरक कोर्स संचालित किए जाने की योजना है। नए सत्र से इस योजना को अमली जामा पहनाया जाएगा। केंद्रों पर उन युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे जो हुनरमंद है लेकिन उनके पास अपने हुनर से संबंधित कोई सार्टिफिकेट नहीं है।'

प्रो. विनय पाठक
कुलपति एकेटीयू